भारत सरकार

रसायन और उर्वरक मंत्रालय

रसायन एवं पेट्रोरसायन विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या-352

दिनांक 19.11.2019 को उत्तर दिए जाने के लिए

.....

पेट्रो रसायनों का आयात

352. डॉ. सुभाष रामराव भामरेः
श्रीमती सुप्रिया सदानंद सुलेः
डॉ. अमोल रामसिंह कोल्हेः
श्री सुनील दत्तात्रेय तटकरेः
श्री कुलदीप राय शर्माः
श्री मोहनभाई कल्याणजीभाई कुंदरियाः
श्री ए.के.पी. चिनराजः

क्या रसायन और उर्वरक मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) गत तीन वर्षों में प्रत्येक वर्ष और चालू वर्ष के दौरान देश में प्रमुख रसायनों और पेट्रोरसायनों के घरेलू उत्पादन का ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या रसायनों और पेट्रोरसायनों का आयात 2018-19 में वार्षिक रूप से सबसे अधिक 1.21 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके क्या कारण हैं;

(घ) क्या सरकार इस क्षेत्र में निवेश आकर्षित करने पर विचार कर रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) क्या सरकार आयात में कटौती करने और इस क्षेत्र हेतु भारत को विनिर्माण केन्द्र बनाने के लिए रसायनों और पेट्रोरसायनों के घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देने की योजना बना रही है और यदि हां, तो इस दिशा में क्या कदम उठाए गए हैं और इसे कब तक पूरा किया जाएगा?

उत्तर

रसायन और उर्वरक मंत्री (श्री डी.वी. सदानंद गौड़ा)

(क) मूल प्रमुख रसायनों के उत्पादन का विवरण निम्नानुसार हैं:

मात्रा ('000एमटी)

उत्पाद	**2016-2017**	**2017-2018**	**2018-19**	**2019-20 (दूसरी तिमाही तक) ***
एल्कली रसायन	7205	7924	8382	4299
अकार्बनिक रसायन	1163	1184	1184	557
कार्बनिक रसायन	1662	1830	1917	937
पेस्टीसाइड्स एवं इंसेक्टीसाइड्स	215	213	218	93
रंजक और पिगमेंट	322	369	383	191
कुल	10567	11520	1 2084	6078

(*अनंतिम)

(ख) मूल प्रमुख पेट्रोरसायनों के उत्पादन का विवरण निम्नानुसार हैं:

मात्रा ('000एमटी)

उत्पाद	**2016-2017**	**2017-2018**	**2018-19**	**2019-20 (दूसरी तिमाही तक) ***
सिंथेटिक फाइबर	3599	3625	3675	1972
पॉलिमर	9163	9276	12115	5968
सिंथेटिक रबर	285	308	350	178
सिंथेटिक डिटर्जेंट इंटरमीडिएट	664	743	687	337
परफॉर्मेंस प्लास्टिक	1799	1719	1605	829
फाइबर इंटरमीडिएट	4588	5068	5614	2511
ओलफिन्स	8940	10304	11535	5678
एरोमैटिक्स	5374	5388	5622	2114
अन्य पेट्रोरसायन	2192	2128	2292	1169
कुल	36604	38,559	43,495	20,756

(*अनंतिम)

(ख) जी हां, वाणिज्यिक आसूचना और सांख्यिकी महानिदेशालय (डीजीसीआईएस) के अनुसार वर्ष 2018-19 के लिए रसायन और पेट्रोरसायन का आयात 3.63 लाख करोड़ रु. (दिनांक 31-5-2019 को) है।

(ग) घरेलू रसायन और पेट्रोरसायन का उत्पादन देश में इसकी मांग से कम है। इसका कारण यह है कि रसायन और पेट्रोरसायन क्षेत्र एक उच्च कैपिटल इंटेसिव सेक्टर है, जिसमें परिचालन शुरू करने की अवधि लंबी होती है। प्रतिस्पर्धी कीमतों पर फीडस्टॉक/कच्चे माल की कमी और पड़ोसी देशों की तुलना में उत्पादन की उच्च कारक लागतें उन कारकों में से कुछ हैं जिनके कारण मांग को पूरा करने के लिए आयात में वृद्धि हुई है।

(घ) जी हाँ, सरकार इस क्षेत्र में निवेश आकर्षित करने पर विचार कर रही है और निम्नलिखित उपाय किए जा रहे हैं:

I. रसायन और पेट्रोरसायन क्षेत्र मोटे तौर पर लाइसेंसमुक्त और नियंत्रण मुक्त है। ऑटोमैटिक रूट के तहत 100% एफडीआई अनुमेय है।
II. इस क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए देश में चार पेट्रोलियम, रसायन और पेट्रोकेमिकल्स निवेश क्षेत्र (पीसीपीआईआर) अधिसूचित किए गए हैं।
III. घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए इस क्षेत्र में निवेश को बढ़ावा देने के लिए कई अन्य योजनाएं लागू की गई हैं।

(ड.) रसायन और पेट्रोरसायन के घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देने और आयात में कटौती करने और भारत को इस क्षेत्र का एक विनिर्माण केंद्र बनाने के लिए, रसायन और पेट्रोरसायन विभाग के "विजन दस्तावेज़ 2024" को रसायनों और पेट्रोरसायनों की बढ़ती घरेलू मांग को पूरा करने के लिए तैयार किया गया है।

*****